जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 16 सितम्बर, 2020

जामिया ने विश्व फिज़ियोथेरेपी चिकत्सा दिवस मनाया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर फिजियोथेरेपी एंड रीहबिलटैशन साइंस (सीपीआरएस) ने दुनिया भर के सभी भौतिक चिकित्सकों के योगदान को सम्मान देने के लिए 7 और 8 सितंबर, 2020 को दो दिवसीय विशेष टीचिंग एंड लर्निंग गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया।

छात्रों ने पहले दिन 3-3 मिनट में पुनर्वास और कोविड -19 पर अपनी बात रखी। सुबह का सत्र डॉ जुबिया वक़ार (एपी, सीपीआरएस) की टिप्पणियों के साथ शुरू हुआ। उन्होंने जामिया में फिजियोथेरेपी की शुरुआत और इतने कम समय में इसकी उल्लेखनीय सफलता के बारे में बताया। सीपीआरएस के मानद निदेशक, प्रो सैयद अख्तर हुसैन ने स्वागत भाषण दिया। सुबह के सत्र के लिए सम्मानित पैनलिस्टों में डॉ जैमोन मैथ्यू (सीईओ, असिस्ट रिहैब सॉल्यूशंस एलएलसी, कैलिफोर्निया, यूएसए), डॉ वर्गीज पॉल (सीईओ, हीलिंग स्टार फिजिकल थेरेपी एंड वेलनेस, न्यू जर्सी, यूएसए), प्रो रेम्या एन (प्रोफेसर और एचओडी, लिटिल फ्लावर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, एरनाकुलम, केरल, भारत) और डॉ सौरभ शर्मा (एपी, सीपीआरएस, जामिया शामिल थे।

दोपहर के सत्र के पैनलिस्ट में डॉ पीपी मोहंती (एसवीएनआईआरटीएआर प्रमुख , कटक, ओडिशा,), डॉ अंकित डोगरा (वीएचए रिहैब सॉल्यूशंस और ऑर्थो ज्वाइंट केयर, ट्रिलियम हॉस्पिटल, ओन्टेरियो, कनाडा), डॉ दमन प्रीत सिंह (वीएचए) असिस्टेंट प्रोफेसर, मदर टेरेसा साकेत कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, पंचकुला, हरियाणा) और डॉ जमाल अली मोइज़ (एपी, सीपीआरएस, जामिया) शामिल थे।

सत्र में छात्रों, संकाय सदस्यों, पैनलिस्ट और शोधकर्ताओं एवं विद्वानों सहित 150 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। प्रस्तुतियों के बाद, पैनलिस्टों और इसमें शामिल लोगों के बीच रोचक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। पैनलिस्ट छात्रों और उनके उत्साह से बहुत प्रभावित हुए।

इसके बाद 8 सितंबर, 2020 को "पुनर्वास और सीओवीआईडी -19" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। केंद्र के मानद निदेशक, प्रोफेसर सैयद अख्तर हुसैन ने इसमें हिस्सा ले रहे दुनिया भर के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

वेबिनार का उद्घाटन जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने किया। अपने संबोधन में, प्रोफेसर अख्तर ने फिजियोथेरेपिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि फिजियोथैरेपी कोर्स, मसल्स, मस्कुलोस्केलेटल और स्पोट्र्स के साथ-साथ कार्डियोवैस्कुलर, न्यूरोलॉजिकल, कम्युनिटी-बेस्ड और गेरिएट्रिक रिहैबिलिटेशन जैसे ईलाज के लिए भी बहुत कारगर साबित हो चुका है।

वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ हेट्टी टॉम्स, डीपीटी, आउट पेशेंट रिहैब मैनेजर, मार्को आइलैंड रिहैब सेंटर, एनसीएच हेल्थकेयर सिस्टम, फ्लोरिडा, अमेरिका द्वारा दिया गया था।

दूसरा व्याख्यान प्रोफेसर (डॉ) जी, अरुण मइया, डीन, मणिपाल कॉलेज ऑफ हेल्थ और फिजियोथेरेपी ने कोविड-19 पर काबू पाने के बाद, भारत में अपनाई जाने वाली पुनर्वास रणनीतियों पर दिया। अंतिम सत्र भारतीय भौतिक चिकित्सक द्वारा कोविड -19 की चुनौतियों से निपटने के बारे में था। इस विषय पर एम्स के कोर्डियोथोरेसिस और वस्कुलर सर्जरी विभाग के डा विश्व प्रकाश गुप्ता ने अपनी विशेषज्ञ राय रखी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक